

| CLASS | SUBJECT | TOPIC / CHAPTER | MODULE / ASSIGNMENT |
|-------|---------|-------------------------------------|---|
| VIII | SANSK | पाठ-3 : पुनरावर्तन ख मूर्खः शशकः | <p>Ex-1. उचित क्रियाएँ चुनकर रिक्त स्थानों को भरें।</p> <p>क) वृक्षात्फलम् _____। (अपतत्, अपतः, अपतम्)</p> <p>ख) त्वं कथं _____? (धावसि, धावति, धावन्ति)</p> <p>ग) भवान्कथं _____? (धावसि, धावति, धावामि)</p> <p>घ) सर्वे शशकं _____। (पृष्टवान्, पृष्टवन्तौ, पृष्टवन्तः)</p> <p>ङ) शशकः तान्सर्वान्त्र _____। (अनयत्, अनयताम्, अनयन्)</p> <p>Ex-2. निम्नलिखित क्रियाओं का पद परिचय (मूल धातु, लकार, पुरुष एवं वचन) दें। पतति, आसीत्, अगच्छत्, धावामि, अनयत्, अपश्यन्</p> <p>Ex-3. संधि-विच्छेद करें। भग्नाभवत्, वानरोऽपि, इत्येवम्, तमपश्यत्, सोऽवदत्</p> <p>Ex-4. "क्तवतु" प्रत्यय जोड़कर निर्देशानुसार शब्दरूप बनाएँ।</p> <p>क) पत् (पुल्लिंग प्रथमा एकवचन)</p> <p>ख) धाव् (स्त्रीलिंग प्रथमा बहुवचन)</p> <p>ग) गम् (पुल्लिंग प्रथमा बहुवचन)</p> <p>घ) कृ (स्त्रीलिंग प्रथमा द्विवचन)</p> <p>ङ) दृश् (पुल्लिंग प्रथमा एकवचन)</p> <p>Ex-6. संस्कृत में अनुवाद करें।</p> <p>क) वहाँ अनेक फल थे।</p> <p>ख) खरगोश के साथ अन्य(अन्ये) पशु भी दौड़ रहे थे।</p> <p>ग) कार्य से पहले सच्चाई का ज्ञान आवश्यक है।</p> <p>घ) पेड़ से फल ही गिरा था न कि आकाश।</p> <p>ङ) रमेश विद्यालय से घर आया और सो गया।</p> <p>च) मनुष्य को दुःख में परेशान नहीं होना चाहिए।</p> |